Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University, Muzaffarpur
Directorate of Distance Education
T.D.C. 6th (Final) Semester Examination 2015 (Session 2012-15)
Subject:- Hindi
Paper – 7th
Model Paper (Full Marks – 80)

1. भाषा विज्ञान के स्वरूप एवं क्षेत्र पर प्रकाश डालें।
2. भाषोत्पत्ति के विभिन्न सिद्धान्तों पर प्रकाश डालें।
3. अर्थपरिवर्तन के कारण अथवा दिशाओं को स्पष्ट करें।
4. ध्वनि परिवर्तन के कारण अथवा दिशाओं को स्पष्ट करें।
5. भाषा परिवर्तन के कारणों पर प्रकाश डालें।
6. छेवनागरी लिपि का परिचय देते हुए उसके महत्त्व पर प्रकाश डालें।
7. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिएः-
   अपभ्रंश, विभाषा, अष्टाध्यायी, यास्क, पतंजलि
8. 'क्रौंचवध' अथवा 'विभूति योग' अथवा 'सिंह-कारक मूर्ख ब्राह्मण कथा' अथवा 'लोभाविष्ट चक्रधर कथा' का सारांश लिखिए।
9. हिमालय के प्राकृतिक सौन्दर्य का वर्णन करें।
10. मनु के अनुसार धर्म का क्या स्वरूप है? स्पष्ट करें।

Babasaheb Bhimrao Ambedkar Bihar University, Muzaffarpur
Directorate of Distance Education
T.D.C. 6th (Final) Semester Examination 2015 (Session 2012-15)
Subject:- Hindi
Paper – 8th
Model Paper (Full Marks – 80)

1. किसी एक कहानी की समीक्षा कीजिए।
   'पूस की रात', 'बड़े भाई साहब', 'ठाकुर का फुँआ', 'ईदगाह', 'नशा'
2. 'सेवा सदन' उपन्यास का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।
3. उपन्यास कला की दृष्टि से 'सेवा सदन' की समीक्षा कीजिए।
4. सुमन अथवा पद्म सिंह शर्मा अथवा विट्ठल दास का चरित्र चित्रण कीजिए।
5. प्रेमचंद की कहानी अथवा उपन्यास संबंधी अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।
6. किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिएः-
   (1) स्त्रियों को अगर ईश्वर सुन्दरता दे, तो धन से वंचित न रखे।
   (2) जो लोग खुशी से न देंगे, उनकी जमीन छीननी ही पड़ेगी।
   (3) हमारा चरित्र कितना ही दृढ़ हो, पर उस पर संगति का असर अवश्य होता है।
   (4) कला दीखती तो यथार्थ है पर यथार्थ होती नहीं।
   (5) रूखी रोटियाँ चाँदी के थाल में परोसी जाये, तो भी वे पूरियाँ न हो जायेंगी।
   (6) धनहीन सुन्दर चतुर स्त्री पर दुर्व्यसन का मंत्र शीघ्र ही चल जाता है।
   (7) कला का रहस्य भ्रांति है, जिस पर यथार्थ का आवरण पड़ा रहता है।